# एमपी ट्रांसको प्रतिष्ठित 11वें गवर्नेंस-नाउ पीएसयू अवार्ड से पुरस्कृत

भोपाल(काप्र)।

**मप्र पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) को अपने ट्रांसमिशन नेटवर्क में ऑपरेशनल एक्सीलेंस के लिये राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित 11वें गवर्नेंस-नाउ पीएसयू अवार्ड से पुरस्कृत किया गया।**

देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) के प्रभावशाली योगदान को मान्यता देने के लिए समर्पित यह पुरस्कार मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) को ऑपरेशनल एक्सीलेंस-ऑटोमेशन एंड डिजीटल टेक्नॉलाजी केटेगरी में नवाचार एवं अत्याधुनिक तकनीकों के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिये प्रदान किया गया है। दिल्ली में एमपी ट्रांसको को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार भारत सरकार के मानव संसाधन विकास और जल संसाधन, नदी विकास और गंगा कायाकल्प मंत्रालय के पूर्व राज्यमंत्री सत्यपाल सिंह ने प्रदान किया, जिसे मुख्य अभियंता संदीप गायकवाड़ ने प्राप्त किया। यह आयोजन प्रतिष्ठित संस्था गवर्नेंस-नाउ द्वारा आयोजित किया गया। ऊर्जा मंत्री एवं अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई ने एमपी ट्रांसको को इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता आरएस बघेल के विशिष्ट प्रयासों से ट्रांसमिशन लाइनों की ड्रोन से सघन पेट्रोलिंग करने वाला देश का शुरूआती राज्य है। प्रदेश के इस मॉडल को देश की अन्य विद्युत यूटिलिटी ने भी अपनाया। मप्र पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी ने ड्रोन पेट्रोलिंग से प्राप्त डाटा का व्यापक विश्लेषण एवं अन्वेषण कर ट्रांसमिशन लाइनों का मेंटेनेन्स सटीकता से किया, जिससे एम.पी. ट्रांसको की लाइनों के ब्रेकडाउन में कमी लाई जा सकी है।

# माधव नेशनल पार्क होगा प्रदेश का 9वां बाघ संरक्षित क्षेत्र

भोपाल(काप्र)।

**मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारत में टाइगर स्टेट का दर्जा हासिल कर चुके मध्यप्रदेश को जल्द ही एक नए टाइगर रिजर्व पार्क की सौगात मिलने जा रही है।**

**मुख्यमंत्री शिवपुरी के माधव नेशनल पार्क में छोड़ेंगे बाघों का जोड़ा**

शिवपुरी जिले का माधव नेशनल पार्क प्रदेश का 9वां बाघ संरक्षित क्षेत्र होगा, जो चंबल क्षेत्र में वन्य जीव प्रेमियों के लिए पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनकर उभरेगा। डॉ. यादव ने कहा कि वे स्वयं बाघों का एक जोड़ा माधव नेशनल पार्क में छोड़ेंगे। चंबल रेंज में पर्यटकों की संख्या में वृद्धि से स्थानीय युवाओं को रोजगार-स्वरोजगार के अवसर मिलेंगे। एशिया में पहली बार चीते भी चंबल के कूनो नेशनल पार्क में दिखाई दे रहे हैं। चंबल नदी क्षेत्र में घड़ियाल एवं डॉल्फिन प्रोजेक्ट पर भी कार्य चल रहा है।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को मीडिया को जारी संदेश में कहा कि देश में सबसे ज्यादा टाइगर मध्यप्रदेश में हैं, जिन्हें देखने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक मध्यप्रदेश आते हैं। बाघ संरक्षित क्षेत्र में जंगल सफारी का आनंद लेने के लिए सभी नेशनल पार्कों में सीजन भर पर्यटकों का आवागमन रहता है। डॉ. यादव ने प्रदेश में बाघों की संख्या और उनके संरक्षण से प्राप्त उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए वन विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों सहित प्रदेशवासियों को बधाई दी।

# लाइनमैन दिवस पर मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के तीन लाइनमैन सम्मानित

भोपाल(काप्र)।

**मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी कार्य क्षेत्र में निर्धारित मापदंडों पर उच्च प्रदर्शन करने वाले तीन लाइनमैन का सम्मान केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नई दिल्ली में आयोजित लाइनमैन दिवस समारोह में किया गया।**

सम्मानित होने वालों में कंपनी के जूनियर इंजीनियर संतोष कुमार अहिरवार को नोडल अधिकारी के रूप में सम्मानित किया गया है। साथ ही कंपनी कार्य क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर हरदा वृत्त में कार्यरत वरिष्ठ लाईन अटेंडेंट रामदीन सेजकर, ग्वालियर शहर वृत्त अंतर्गत कार्यरत अशोक बुनकर एवं अर्जुन बिनजावे को सम्मानित किया गया। केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा इंडिया हैबिटेट सेंटर नई दिल्ली में आयोजित लाइनमैन दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सम्मान समारोह -2025 में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के चार कार्मिकों को अवार्ड मिनले पर ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर तथा मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक क्षितिज सिंघल ने सभी कार्मिकों को बधाई दी है। गौरतलब है कि समारोह में देश की लगभग 70 डिस्कॉम, 28 ट्रांसमिशन कंपनियों तथा 25 जनरेशन कंपनियों ने भाग लिया। इसमें से मप्र मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के चार कार्मिकों को हाई परफार्मिंग डिस्कॉम का अवार्ड मिला। कंपनी के कार्मिकों को यह अवॉर्ड हमेशा सुरक्षा किट प्रयोग किए जाने, निरन्तर सुरक्षा का ध्यान रखते हुए कार्य करने, तनाव रहित सेवा कार्य करते हुए सुरक्षा मानकों को बेहतरीन ढंग से अपनाने के लिये मिला है।

## बिजली कंपनियों में रिक्त 2573 पदों की भर्ती के लिए ऑनलाइन परीक्षा 20 से

**भोपाल। ऊर्जा विभाग के अधीन तीनों बिजली वितरण कंपनियों, ट्रांसमिशन कंपनी, जनरेशन कंपनी और पॉवर मैनेजमेंट कंपनी में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के रिक्त 2573 पदों के लिए ऑनलाइन परीक्षा कार्यक्रम 20 से 30 मार्च तक घोषित कर दिया गया है। यह परीक्षा इंदौर, भोपाल, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, सतना, सागर में होगी।**

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि इन भर्तियों से बिजली वितरण, जनरेशन, ट्रांसमिशन कार्यों के अलावा कार्यालयीन व्यवस्थाओं में काफी आसानी होगी। ऊर्जा विभाग में भर्ती के लिए नोडल कंपनी मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि लॉ असिस्टेंट, असिस्टेंट लॉ ऑफिसर के लिए परीक्षा 20 मार्च को सुबह 9 से 11 बजे, स्टोर असिस्टेंट, ड्रेसर, फायर मैन, जूनियर स्टेनोग्राफर, सिक्योरिटी गार्ड के लिए दोपहर 1 से 3 और जूनियर इंजीनियर मैकेनिकल प्लांट के लिए शाम 5 से 7 तक परीक्षा होगी। ऑफिस असिस्टेंट ग्रेड 3 के लिए 21 मार्च को तीन सत्रों में सुबह 9 से 11, दोपहर 1 से 3 और शाम 5 से 7 तक, जूनियर इंजीनियर सिविल के लिए 22 मार्च सुबह 9 से 11, प्लांट असिस्टेंट इलेक्ट्रिकल दोपहर 1 से 3, प्लांट असिस्टेंट मैकेनिकल शाम 5 से 7 तक परीक्षा होगी। इसी तरह असिस्टेंट मैनेजर एचआर, सिक्योरिटी सब इंस्पेक्टर के लिए 23 मार्च सुबह 9 से 11, असिस्टेंट मैनेजर आईटी, सिविल अटेंडेंट व रेडियोग्राफर के लिए दोपहर 1 से 3, लेब टेक्निशियन के लिए शाम 5 से 7 तक परीक्षा होगी।

# स्थानीय निकायों को आय में वृद्धि पर मिलेगी प्रोत्साहन राशि

भोपाल(काप्र)।

**प्रदेश में नगरीय निकायों को अपनी आय में वृद्धि करने के लिये नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा लगातार निर्देश दिये जा रहे हैं। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने भी विभिन्न बैठकों में नगर निगम महापौर और स्थानीय निकायों के अध्यक्षों को अपनी निकायों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के निर्देश दिये हैं।**

इस वर्ष राजस्व आय में श्रेष्ठ कार्य करने वाली स्थानीय निकायों को पुरस्कृत करने के लिये विभागीय बजट में 29 करोड़ 4 लाख रूपये का प्रावधान किया गया है। प्रोत्साहन योजना में आय में वृद्धि करने वाली नगरीय निकायों को पिछले 2 वित्तीय वर्षों में राजस्व और गैर राजस्व आय में हुई वृद्धि के प्रतिशत के अनुसार प्रोत्साहन राशि दी जायेगी। नगरीय निकायों को संपत्ति कर, समेकित कर, नगरीय विकास उप कर एवं शिक्षा उप कर से प्रमुख रूप से आय होती है। इसके अलावा नगरीय निकायों को जल उपभोक्ता प्रभार, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रभार, भूमि भवन किराया, बिल्डिंग परमिशन फीस से भी आय होती है।

विभाग ने नगरीय निकायों को दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि उनकी आबादी के हिसाब से निर्धारित की है। प्रदेश के ऐसे नगर पालिक निगम, जिनकी जनसंख्या 5 लाख से अधिक है, उन्हें प्रथम स्थान पर रहने पर 4 करोड़, द्वितीय पर 2 करोड़ 50 लाख और तृतीय स्थान पाने पर 1 करोड़ 50 लाख रूपये की राशि प्रोत्साहन स्वरूप दी जायेगी। प्रदेश के जिन नगर पालिक निगम की जनसंख्या 5 लाख से कम है, उन्हें प्रथम स्थान पर आने पर 3 करोड़ रूपये, द्वितीय पर 2 करोड़ रूपये और तृतीय स्थान प्राप्त करने पर एक करोड़ रूपये की राशि दी जायेगी। प्रदेश की ऐसी नगर पालिका परिषद, जिनकी जनसंख्या एक लाख से कम है, उन नगर पालिका परिषद को आय वृद्धि पर पहले स्थान के लिये 2 करोड़ रूपये, द्वितीय स्थान के लिये 1 करोड़ 25 लाख रूपये, तृतीय स्थान के लिये 75 लाख रूपये की राशि दी जायेगी। प्रदेश की ऐसी नगर परिषद जिनकी आबादी 25 हजार से अधिक है, उन्हें प्रथम स्थान पर रहने पर एक करोड़ 25 लाख रूपये, द्वितीय स्थान पर 75 लाख रूपये और तृतीय स्थान पर रहने पर 50 लाख रूपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जायेगी। प्रदेश की 25 हजार से कम आबादी वाली नगर परिषदों को राजस्व आय वृद्धि में प्रथम स्थान पर आने के लिये 75 लाख रूपये, द्वितीय स्थान पर आने के लिये 50 लाख रूपये और तृतीय स्थान पर आने के लिये 29 लाख रूपये की राशि दी जायेगी। प्रत्येक वर्ग में राजस्व आय के आधार पर 3-3 नगरीय निकायों का चयन किया जायेगा।

### विभागीय बजट में 29 करोड़ से अधिक का प्रावधान

### ई-नगर पालिका से प्राप्त निर्धारित आकड़ों का किया जाएगा परीक्षण

नगरीय निकायों की राजस्व एवं गैर राजस्व आय का निर्धारित मापदंडों के अनुसार संचालनालय स्तर पर ई-नगर पालिका के विश्लेषण के बाद पुरस्कृत किया जायेगा। पुरस्कृत राशि का उपयोग नगरीय निकायों के आधारभूत संरचना के विकास पर खर्च किया जायेगा।

## विधि एवं विधायी विभाग के कर्मचारियों की पदोन्नति

**भोपाल।** नौ वर्ष से मध्य प्रदेश में बंद पदोन्नतियों की राह विधि एवं विधायी विभाग ने खोल दी है। विभाग ने सवा सौ से अधिक कर्मचारियों को विभागीय भर्ती नियम के अनुसार वरिष्ठताक्रम में एक जनवरी 2024 से पदोन्नति के साथ-साथ आर्थिक लाभ भी दे दिया। इसमें महाधिवक्ता कार्यालय के कर्मचारी भी शामिल हैं। ये पदोन्नतियां सुप्रीम कोर्ट में आरक्षण को लेकर विचाराधीन प्रकरण में पारित होने वाले अंतिम निर्णय के अधीन रहेंगी। इसी प्रक्रिया के आधार पर अब अन्य विभागों में भी सशर्त पदोन्नति दी जा सकती है।

पर्यटन मंत्री ने आईटीबी बर्लिन में मध्यप्रदेश पर्यटन के पवेलियन किया शुभारंभ

# पर्यटन किसी भी राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक विकास की रीढ़: लोधी

भोपाल(काप्र)।

**पर्यटन राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि पर्यटन किसी भी राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक विकास की रीढ़ है। वर्तमान में पर्यटन उद्योग वैश्विक अर्थव्यवस्था में तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में से एक है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में पर्यटन अधो-संरचनाओं के निर्माण और पर्यटन सुविधाओं के विकास के लिए सतत प्रयास किए जा रहे है।**

श्री लोधी ने आईटीबी बर्लिन 2025 में भारत पवेलियन और मध्यप्रदेश पवेलियन का भव्य शुभारंभ किया। इस अवसर पर जर्मनी में भारत के राजदूत अजीत गुप्ते, अपर प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड सुश्री बिदिशा मुखर्जी भी उपस्थित रही। श्री लोधी ने कहा कि बर्लिन पर्यटन उद्योग के लिए एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्किंग और व्यापार मंच है, जो विगत 60 वर्षों से विश्व पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है। श्री लोधी ने कहा कि मध्यप्रदेश के पर्यटन को आईटीबी बर्लिन में वैश्विक बढ़ावा मिलेगा। मध्यप्रदेश, अपनी प्राकृतिक, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, सांस्कृतिक और धार्मिक संपदा के लिए प्रसिद्ध है। 8 टाइगर रिज़र्व, 12 राष्ट्रीय उद्यान, और 25 से अधिक वन्यजीव अभयारण्य इसे देश का टाइगर स्टेट बनाते हैं। ऐतिहासिक धरोहरों की बात करें तो खजुराहो, सांची और भीमबेटका जैसे तीन महत्वपूर्ण स्थल यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल हैं, जबकि 11 अन्य स्थलों को अस्थायी सूची में स्थान

मिला है। आईटीबी बर्लिन में मध्यप्रदेश पवेलियन को विशेष रूप से प्रदेश के नैसर्गिक सौंदर्य, समृद्ध संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत को प्रदर्शित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह मंच प्रदेश की पर्यटन संभावनाओं को वैश्विक निवेशकों और ट्रैवल ऑपरेटर्स के समक्ष प्रस्तुत करने का बेहतरीन अवसर प्रदान करता है।

श्री लोधी ने अंतर्राष्ट्रीय ट्रैवल टूर ऑपरेटर्स, हॉस्पिटैलिटी सेक्टर के प्रतिनिधियों और विभिन्न देशों के पर्यटन अधिकारियों से मुलाकात की। उन्होंने मध्यप्रदेश की पर्यटन नीति और निवेश के अवसरों पर चर्चा करते हुए, सभी को मध्यप्रदेश आने और प्रदेश में पर्यटन व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए आमंत्रित किया। आईटीबी बर्लिन में भागीदारी से मध्यप्रदेश को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर और मजबूत स्थान मिलेगा। इस आयोजन के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करने, पर्यटन निवेश को बढ़ावा देने और प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने का सुनहरा अवसर मिला है।

## लोकायुक्त ने बनाया सौरभ की पत्नी दिव्या को भी आरोपी

**भोपाल।** धन कुबेर सौरभ शर्मा मामले में लोकायुक्त ने पूर्व आरटीओ कांस्टेबल के पत्नी दिव्या को भी आरोपी बनाया है। दिव्या तीन कंपनी में डायरेक्टर है, जिनमें अविरल कंपनी सबसे अहम है। लोकायुक्त की पूछताछ के दौरान सौरभ की पत्नी दिव्या शर्मा फंडिंग के सोर्स नहीं बता पाई। अब तक इस केस में सौरभ शर्मा, शरद जायसवाल और चेतन सिंह गौर आरोपी थे, लेकिन अब दिव्या शर्मा चौथी नामजद आरोपी बन गई हैं। हालांकि, लोकायुक्त ने उन्हें गिरफ्तार नहीं किया है, बल्कि केवल पूछताछ की है। वे पूछताछ में कई सवालों का जवाब नहीं दे पाईं। लोकायुक्त ने दिव्या से कंपनी में हुए लेन-देन को लेकर सवाल किए। उनसे पूछा गया कि पैसा कहां से आया, लेकिन वह इसका कोई ठोस जवाब नहीं दे पाईं। दिव्या शर्मा भोपाल के शाहपुरा में बन रहे जयपुरिया स्कूल की फ्रेंचाइजी में भी डायरेक्टर हैं। 15 मार्च 2004 को भोपाल विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने राजमाता शिक्षा समिति को 19942 वर्गफुट जमीन स्कूल बनाने के लिए आवंटित की थी। जयपुरिया स्कूल निर्माण में 10 करोड़ रुपए लगाए गए है, लोकायुक्त की पूछताछ में दिव्या ये पैसा कहां से आया है, इसकी जानकारी नहीं दे पाई।

## नारी सशक्तिकरण से ही राष्ट्र होगा सशक्तः उइके

**भोपाल।** लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कहा कि नारी सशक्तिकरण ही वास्तविक राष्ट्र सशक्तिकरण की आधारशिला है। जब महिलाएँ आत्मनिर्भर होंगी, तो समाज और देश की प्रगति स्वतः सुनिश्चित होगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में महिलाओं, विशेष रूप से जनजातीय और अनुसूचित जाति वर्ग की महिलाओं के उत्थान के लिए चलाई जा रही योजनाओं को प्रभावी कदम बताया।

श्रीमती उइके ने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल व्यक्तिगत विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज और राष्ट्र की उन्नति का मूल आधार भी है। महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक स्वतंत्रता को सुनिश्चित करने के लिए केंद्र और राज्य सरकार ने व्यापक नीतिगत पहल की हैं, जिनका सीधा लाभ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग की महिलाओं को मिल रहा है। प्रधानमंत्री वन धन योजना जनजातीय महिलाओं को स्वरोजगार और लघु उद्यमों से जोड़ने का महत्वपूर्ण प्रयास है, जिससे वे अपने पारंपरिक ज्ञान और कौशल का उपयोग कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं। आदिवासी छात्रवृत्ति योजना और एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय जनजातीय समाज की बेटियों को गुणवत्तापूर्ण और उच्च अध्ययन के अवसर प्रदान कर रहे हैं। स्टैंड अप इंडिया योजना के तहत अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग की महिलाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता के लिए विशेष आर्थिक सहायता दी जा रही है।

**स्पेशल खबर** *मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देशन में हुई सत्कार व्यवस्था की देश-विदेश के अतिथियों ने की सराहना...*

# ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में अतिथि देवो भवः हुआ चरितार्थ

भोपाल(काप्र)।

**मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट के पर्यटन व संस्कृति पर केंद्रित सत्र में कहा था कि मेले का मतलब है मेल-जोल बढ़ाना और ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट, उद्योगपतियों-निवेशकों-उद्यमियों और सरकार व प्रदेशवासियों के बीच मेल-जोल बढ़ाने का प्रभावी माध्यम है।**

भोपाल में पहली बार आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में देश दुनिया के प्रमुख उद्योगपति, निवेशक, यंग इन्नोवेटर, जनप्रतिनिधि और अधिकारी शामिल हुए। डॉ. यादव की मंशानुसार निवेश के इस महाकुंभ में पधार रहे सभी अतिथियों का स्वागत-सत्कार, भारतीय संस्कृति के अतिथि देवो भवः का भाव जीआईएस में साकार हुआ। उनका विचार था कि यह आयोजन परस्पर मेल-जोल, सद्भावना और सुखद अनुभूति के साथ हो और समिट की सुमधुर स्मृतियां, लंबे चलने वाले संबंधों का आधार बनें। अतः इस वैश्विक आयोजन में अतिथियों के आवागमन-आवास और भोजन की व्यवस्था के प्रति आरंभ से ही विशेष संवेदनशीलता रही।

वैश्विक सम्मेलन में, विविधता से भरे हमारे देश के विभिन्न भागों के साथ-साथ दुनिया के लगभग 60 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। भोजन, सभी की मूल आवश्यकता है, परंतु अलग-अलग सामाजिक -सांस्कृतिक-भौगोलिक परिवेश के कारण भोजन के लिए लोगों की आदतें, रुचियां और आवश्यकताएं अलग-अलग होती हैं। विभिन्न क्षेत्रों से आए इन विशिष्ट जन के लिए भोजन की व्यवस्था एक चुनौती थी। विविधता भरे समागम में सभी के स्वाद और संतुष्टि के अनुरूप भोजन की व्यवस्था करना, एक प्रकार से अपनी दक्षता का प्रमाण देने जैसा था। मुख्यमंत्रीद्वारा दिए गए भोज देश-विदेश के उद्योग समूहों को मध्यप्रदेश के करीब लाने और उनमें राज्य के प्रति रुचि विकसित करने तथा परस्पर मेल-जोल बढ़ाने में सफल रहे।

वैश्विक सम्मेलन में जापान से लेकर जर्मनी और अमेरिका, आस्ट्रेलिया, अफ्रीका सहित लगभग सभी महाद्वीपों के देशों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लंच-डिनर सेशन में सबकी रुचि-संस्कृति-क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता सब के स्वाद और स्वभाव अनुसार भोजन परोसा गया। खान-पान में मध्यप्रदेश और देश के प्रमुख व्यंजनों के साथ-साथ यूरोपियन, थाई, चाइनीस डिशेज शामिल थीं। जैन फूड, वीगन, मिलेट (श्री अन्न) और ग्लूटेन फ्री आहार लेने वालों का विशेष ध्यान रखा गया। मध्यप्रदेश के व्यंजनों में हाउस ऑफ सैलाना के रॉयल क्यूज़ीन के अंतर्गत मोती के दाने, दाल बाफले, घुइयां की सब्जी, सिंघाड़े की चाट, मुरैना की गजक, झाबुआ का मालपुआ, उज्जैन की कुल्फी, हींग कचौड़ी, रिकमज की सब्जी, इंद्रहर, महुआ का मीठा, टेथरा की रबड़ी और भोपाली गोभी मुसल्लम खास रहे। देश के विभिन्न अंचलों के व्यंजनों में अमृतसरी छोले कुलचे, बिहारी लिट्टी चोखा, दक्षिण का डोसा-उत्तपम, मेरठ की रोटियां और पराठे, बंगाली चौम चौम और केसर अंगूरी रसमलाई परोसे गए। अन्तर्राष्ट्रीय व्यंजनों में पास्ता, टॉर्ट, रिसोटो, ग्नौची, क्लासिक ओपेरा, बास्किन-रॉबिंस की आइसक्रीम, इंडो चाइनीस वोक, नूडल्स, थाय करी और डिम्सिम अतिथियों के आकर्षण का केंद्र रहे। मिलेट फूड के अंतर्गत कुटकी की खीर, रागी बालूशाही, मिलेट खिचड़ी, बाजरे की टिक्की तो जैन फूड में बिना प्याज, लहसुन के व्यंजन और मिलेट थालीपीठ शामिल थे। अलग-अलग क्षेत्र से आए अतिथि, अपने क्षेत्र के मूल व्यंजनों के साथ-साथ अपनी रुचि और जिज्ञासा के अनुसार अन्य क्षेत्रों के व्यंजनों का आनंद लेते रहे। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लंच-डिनर सेशन ने भोजन के सम्मोहन और विविधता से एकाकार होने के अद्भुत दृश्य प्रस्तुत किए। डॉ. यादव के निर्देशन में हुई सत्कार व्यवस्था की देश-विदेश के अतिथियों ने सराहना की। भोजन के विभिन्न सत्रों में नवाचार के साथ परोसी गई मिलेट (श्री अन्न) की डिशेज और मध्यप्रदेश के स्थानीय व्यंजनों की विशेष सराहना हुई। राज्य में पर्यटन गतिविधियों को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है, पर्यटन को बढ़ाने में अतिथियों के स्वागत-सत्कार और उनके आवास,भोजन आवागमन आदि की संतोषजनक व्यवस्था का विशेष महत्व है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की व्यवस्थाओं ने इस क्षेत्र में प्रदेश की दक्षता और क्षमता को देश विदेश के अतिथियों के सामने प्रस्तुत किया। देश-विदेश के अतिथियों के मन-मस्तिष्क में बनी प्रदेश की इस छवि से समिट की व्यवस्थाओं और परोसे गए व्यंजनों के स्वाद की गूंज विश्व के कोने कोने में पहुंची है।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 43/आर-3 स्नेह नगर रोड, गोपालगंज सागर (म.प्र.) - 470001 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन -1, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक : डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक : अपूर्व तिवारी। *
भोपाल कार्यालय फोन-0755-2550900-01, e-mail : naidunia@gmail.com ( * समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. MPHIN/2015/61503, www.naiduniaonline.com